

क्रिया-

विशेषण

वर्तमान

व्याकरणिक विवेचन की दृष्टि से



व्याकरणिक दृष्टि से अविकारी शब्द

क्रिया-विशेषण

- यह अव्यय शब्द है जो क्रिया की विशेषता बताता है।
- जैसे - वह धीरे-धीरे चलता है।
- यहाँ पर चलना क्रिया की विशेषता बताया जा रहा है – कैसे चलता है ? – धीरे-धीरे

संबंध-बोधक

- वे शब्द जो किसी संज्ञा के साथ आकर उनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जोड़ते हैं – आगे, पीछे, बाहर, अंदर

विस्मयादि-बोधक

- जो शब्द हर्ष, शोक, आश्चर्य, घृणा, क्रोध, तिरस्कार आदि भाव दर्शाते हैं।
- जैसे - ओह! हाय ! छी !

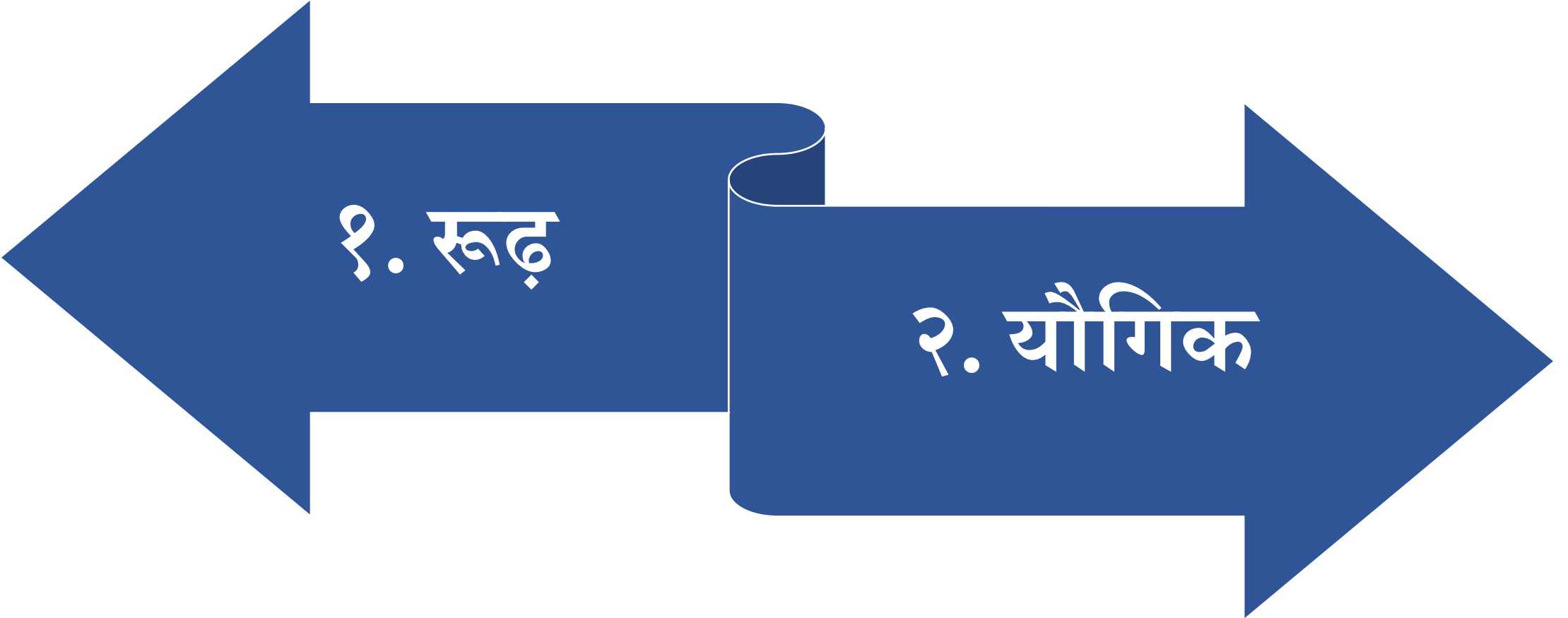
समुच्चय-बोधक

- वह शब्द जो दो शब्दों, वाक्यों या खंडों को साथ जाड़ता है।
- जैसे – और, तथा, लेकिन, किंतु

क्रिया- विशेषण परिभा षा

क्रिया की विशेषता बतानेवाले अविकारी शब्द (अव्यय – जिसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न आए) को क्रिया विशेषण कहते हैं। इसके कुछ उदाहरण हैं – जल्दी, तेज़, यहाँ, पास, इतना, विशेषकर आदि।

रचना के आधार पर क्रिया विशेषण के दो भेद



१. रूढ़

२. यौगिक

रचना के आधार पर क्रिया-विशेषण के दो भेद

१. रूढ़

- कल, कम, दूर, सदा,
थोड़ा, अब, जब, वहाँ
...

२. यौगिक

- एकदम, आजकल,
मुस्कुराकर, अपने-
आप...

अर्थ की दृष्टि से क्रिया-विशेषण के चार भेद

स्थानवाचक

वहाँ, कहाँ, जहाँ, नीचे,
ऊपर, किधर, भीतर,
कहाँ-कहाँ

कालवाचक

कल, अब, कब, जब,
अभी, सुबह, दोपहर,
शाम, जब तक

परिमाणवाचक

कम, अधिक, इतना,
कितना, जितना, उतना

रीतिवाचक

ऐसे, वैसे, पैदल, जाते-
जाते, अपने-आप,
दक्षतापूर्वक, हँसकर,
विशेषतः

१. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण

किसी क्रिया के व्यापार-स्थल की जानकारी प्रदान करनेवाले अव्यय शब्द

शिखा **उधर** गई ।

राज **यहाँ** मत बैठो ।

आपको **कहाँ-कहाँ** जाना है ?

ऊपर देखो ।

पानी का गिलास **सामने** रखा है ।

२. कालवाचक क्रिया-विशेषण

किसी क्रिया के होने
के समय से संबंधित
जानकारी देनेवाले
अव्यय शब्द

परसों पिताजी आएँगे ।

हम रात को घर लौटेंगे ।

जल्दी से अपना बस्ता उठाओ ।

जब वह मिलेगा तब घटना के बारे में बताएगा ।

३.परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण

किसी क्रिया के परिमाण, संख्या तथा गिनती से संबंधित जानकारी देनेवाले अव्यय शब्द

काम **लगभग** पूरा हो गया है ।

सवेरे मुझे **बहुत** ठंड लग रही थी ।

इस काम के लिए **कितने** पैसे लोगे ?

अध्यापक **कुछ** गृहकार्य दे रहे हैं ।

४. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

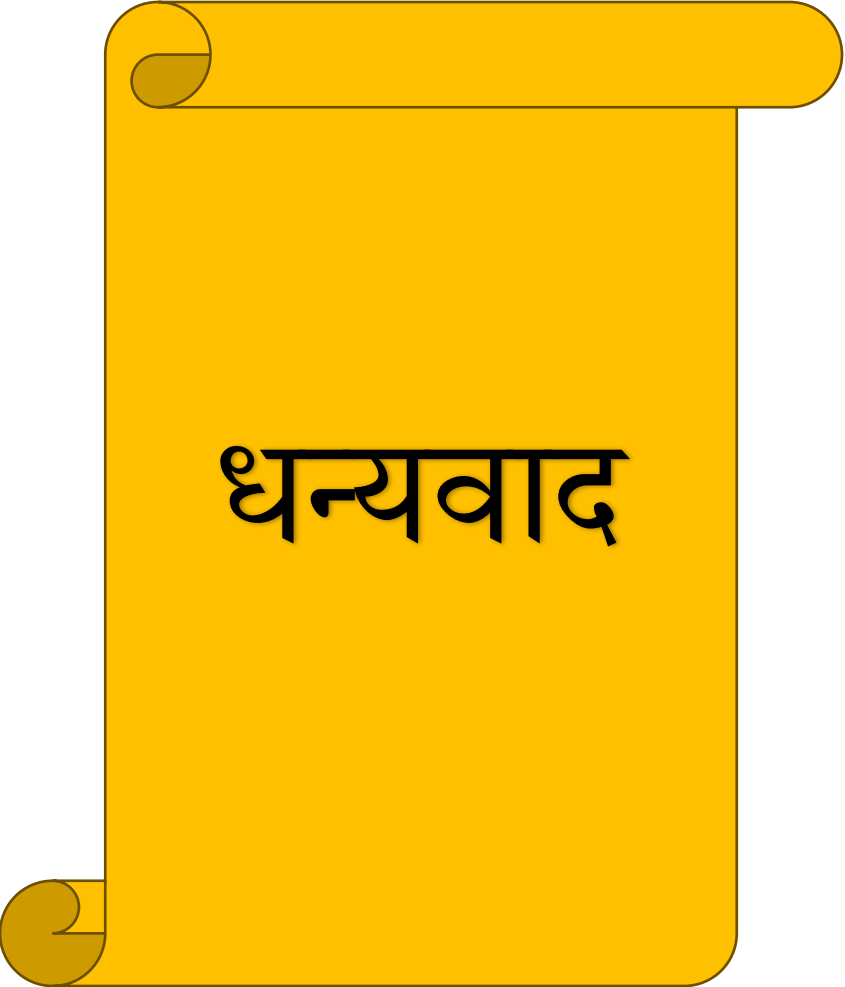
किसी क्रिया के करने या
होने की रीति या उसके
ढंग से संबंधित जानकारी
देनेवाले अव्यय शब्द

तेज़ी से यह काम पूरा कर लो ।

वह धीरे-धीरे चलता है ।

सावधानी से बैठो ।

यह कार्य शीघ्रतापूर्वक पूर्ण हुआ
।



धन्यवाद

संदर्भ ग्रंथ - References:

1. ebooks.inflibnet.ac.in. (n.d.). भाषा की परिभाषा और स्वरूप – भाषाविज्ञान. [online] Available at: <https://ebooks.inflibnet.ac.in/hinp09/chapter/20/>.
2. <https://ia801505.us.archive.org/19/items/in.ernet.dli.2015.400368/2015.400368.Hindi-Vyakaran.pdf>
3. हरदेव बाहरी, (१९९६). हिंदी:उद्भव, विकास और रूप. नई दिल्ली: किताब महल.

Dr. Tanuja Pudaruth Beeharry
Lecturer, Department of Hindi Studies,
Mahatma Gandhi Institute.

tanuja.pbeeharry@mgirti.ac.mu